स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बीडीपी)

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बीईसीई–107
पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत में औद्योगिक विकास

(2023–24)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली -110 068

पाठ्यक्रम कोड : बीईसीई–107
पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत में औद्योगिक विकास
(2023–24)

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि बीडीपी की कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, आपको अर्थशास्त्र बीईसीई–107 के इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। यह अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) है और इसके 100 अंक हैं।

यह जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में ही दें। टीएमए की रूपरेखा ऐसे तैयार की गई है ताकि आपको विभिन्न श्रेणियों के प्रश्नों के उत्तर देने के योग्य बनाया जा सके। सुव्यवस्थित, सटीक एवं सशक्त ढंग से उत्तर प्रस्तुत करने की आपकी योग्यता को ध्यान में रखकर आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन किया जाता है।

सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित है। स्मरण रहे, सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। भाग **क** में दो दीर्घ उत्तर प्रश्न सम्मिलित हैं और प्रत्येक के 20 अंक हैं। भाग **ख** में चार मध्यम उत्तर प्रश्न सम्मिलित हैं और प्रत्येक के 12 अंक हैं। जब कि भाग **ग** से आपको दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं और प्रत्येक के छह अंक हैं।

जमा करना

पूरा किया गया सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ :

दिसंबर, 2023 सत्रांत परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए	:	**31.10.2023**
जून, 2024 सत्रांत परीक्षा के विद्यार्थियों हेतु	:	**30.04.2024**

बी.ई.सी.ई.–107 : भारत में औद्योगिक विकास

पाठ्यक्रम कोडः– बी.डी.पी.- 107
सत्रीय कार्य कोडः बीईसीई –107/एएसटी/2023–24

कुल अंकः100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा प्रत्येक प्रश्न के लिए 500 शब्द) **$2 \times 20 = 40$**

1) औद्योगिक विकास के सन्दर्भ मे राज्यों के बीच असमानता की प्रकृति ओर सीमा क्या है? ऐसी असमानताओं के प्रमुख कारण क्या हैं?
2) वैश्वीकरण का क्या अर्थ है? भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में वैश्वीकरण द्वारा उत्पन्न अवसरों और चुनौतियों को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

(ख) मध्यम उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा प्रत्येक प्रश्न के लिए 250 शब्द) **$4 \times 12 = 48$**

3) भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में औद्योगीकरण की भूमिका का संक्षेप में वर्णन करें।
4) औद्योगिक रूग्णता को परिभाषित कीजिए। भारतीय अर्थव्यवस्था पर औद्योगिक रूग्णता के प्रभाव की संक्षेप में चर्चा कीजिए।
5) क्रुगमैन के अनुसार विनिर्माण उद्योग एक देश के एक या कुछ क्षेत्रों में ही केंद्रित होंगे। क्यों?
6) सूक्षम, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को परिभाषित करें। भारत में एमएसएमई का क्या महत्व है?

(ग) लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा प्रत्येक प्रश्न के लिए 100 शब्द) **$2 \times 6 = 12$**

7) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   अ) उत्पादन प्रक्रिया का विखंडन
   ब) क्षमता का अल्प उपयोग
   स) भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की भूमिका
8) निम्नलिखित शब्दों को परिभाषित कीजिए और व्याख्या कीजिए कि वे क्यों महत्वपूर्ण हैं? :
   अ) कार्य विस्तार की मितव्ययितायें
   ब) सार्वजनिक उपयोगिता